PBG-1601030301030502 Seat No. _____

# B. A. (Sem. III) (CBCS) (W. E. F. 2016) Examination

**November / December - 2018**

## Hindi : Paper - 5

***(हिन्दी का राष्ट्रीय चेतना संपन्न काव्य : जय बिरसा)***

***(Optional) (Elective - II) (New Course)***

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

**सूचना :** (१) सूचनानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(२) सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं ।

१ 'जय बिरसा' खण्डकाव्य के नायक बिरसा मुण्डा की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । १४

**अथवा**

१ 'जय बिरसा' खण्डकाव्य में निरूपित स्वतंत्रता–संग्राम पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए । १४

२ काव्यस्वरूप की दृष्टि से 'जय बिरसा' काव्य का मूल्यांकन कीजिए । १४

**अथवा**

२ 'जय बिरसा' खण्डकाव्य में व्यक्त आदिवासी जन–चेतना पर प्रकाश डालिए । १४

३ भारतीय स्वतंत्रता–संग्राम में बिरसा मुण्डा का स्थान निर्धारित कीजिए । १४

**अथवा**

३ 'जय बिरसा' खण्डकाव्य में व्यक्त बिरसा के मातृभूमि–प्रेम को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । १४

४ 'जय बिरसा' खण्डकाव्य का कथानक लिखिए । १४

**अथवा**

४ ' 'जय बिरसा' खण्डकाव्य में लौकिकता एवं अलौकिकता का सुभग समन्वय हुआ है ।' इस कथन का तर्कसंगत उत्तर दीजिए । १४

५ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : १४

(१) 'जय बिरसा' खण्डकाव्य की भाषा–शैली ।

(२) 'जय बिरसा' खण्डकाव्य की करमी ।

(३) 'जय बिरसा' खण्डकाव्य का उद्देश्य ।

(४) 'जय बिरसा' खण्डकाव्य में व्यक्त परतंत्रता ।

---